जिलाधिकारी महोदय आगरा की अध्यक्षता में दिनांक 19.06.2026 को आयोजित जल जीवन मिशन (फेस–4) के अन्तर्गत सतही स्त्रोत आधारित पेयजल योजना में कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त।

जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता मे दिनांक 19.06.2026 को जिलाधिकारी कैम्प कार्यालय पर समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में श्रीमति प्रतिमा सिंह, मुख्य विकास अधिकारी, श्री जुबेर बेग, अपर जिलाधिकारी(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति), श्री अमित कटियार, अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण), डॉ धीरेश श्रीवास्तव, डिप्टी मुख्य चिकित्सा अधिकारी, श्री विपिन कुमार, लघु सिंचाई, श्री दीपक कुमार, हाइड्रोलॉजिस्ट, भू गर्भ जल विभाग, श्री पंकज अग्रवाल, सहायक अभियंता, सिंचाई विभाग, श्री अंकुर पटेल, सहायक अभियंता, नलकूप खण्ड आगरा, श्री राजवीर सिंह, वन विभाग, श्री कमल भारद्वाज, सहायक अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम(ग्रामीण), श्री विपिन कुमार अगरिया, सहायक अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम(ग्रामीण), श्री रविन्द्र कुमार जैन, डी.पी.एम. टीपीआई, श्री आनन्द कुमार सिंह, डिस्ट्रिक्ट कोऑडिनेटर, डीपीएमयू, कार्यदायी संस्था मै0 एन0सी0सी0 लि0 से श्री शिवराम राजू, प्रोजेक्ट मैनेजर, मै0 मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0 से श्री अमित कुमार रॉय, प्रोजेक्ट मैनेजर और मै0 दारा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा0 लि0 से श्री अमित पाण्डे, प्रोजेक्ट मैनेजर उपस्थित रहे।

अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा दोनों निर्माणाधीन परियोजनाओं की भौतिक प्रगति एवं मै0 दारा इंजीनियरिंग के द्वारा 89 नग पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव की प्रगति के सम्बन्ध में निम्नलिखित रूप से बताया गया:–

मै0 एन0सी0सी0–एपको(जे0बी0), पैकेज–01

1. **भूमिगत जलाशय (CWR) की प्रगति–** जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै0 एन0सी0सी0 द्वारा कुल 17 सी0डब्ल्यू0आर0 का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 17 सीडब्लूआर पर पीसीसी का कार्य (0–25 प्रतिशत) पूर्ण, 17 सीडब्लूआर पर राफ्ट कार्य (26–50 प्रतिशत) पूर्ण, 01 सीडब्लूआर पर रिटेनिंग वॉल कार्य (51–75 प्रतिशत) एवं 16 सीडब्लूआर पर स्लैब कार्य (76–99 प्रतिशत) कार्य प्रगति पर है। टी0पी0आई0 द्वारा बताया गया 472 के सापेक्ष मात्र 315 मैनपावर उपलब्ध है जो कि बहुत कम है जिससे निर्माण कार्य धीमी गति से हो रहा है। प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा बताया गया कि सीडब्लूआर के समस्त कार्य अगस्त 2026 तक पूर्ण करा लिये जायेगें। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 एन.सी.सी के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता पर कार्य पूर्ण करायें।
2. **पम्प हाउस (Pump House) की प्रगति–** जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै0 एन0सी0सी0 द्वारा कुल 17 सीडब्लूआर पर 17 पम्प हाउस का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 17 सीडब्लूआर के पम्प हाउस पर पीसीसी का कार्य (0–25 प्रतिशत) पूर्ण, 01 सीडब्लूआर के पम्प हाउस पर राफ्ट कार्य (26–50 प्रतिशत), 03 सीडब्लूआर के पम्प हाउस पर रिटेनिंग वॉल कार्य (51–75 प्रतिशत) एवं 13 सीडब्लूआर के पम्प हाउस पर स्लैब कार्य (76–99 प्रतिशत) प्रगति पर है। है। प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा बताया गया कि सीडब्लूआर के पम्प हाउस के समस्त कार्य अगस्त 2026 तक पूर्ण करा लिये जायेंगे। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, एन0सी0सी0 को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता पर कार्य समयान्तर्गत पूर्ण करने के निर्देश दिये गये।
3. **सब स्टेशन बिल्डिंग (Sub-Station Building) की प्रगति–** जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै0 एन0सी0सी0 द्वारा 17 सीडब्लूआर पर 17 सब स्टेशन बिल्डिंग (HT Room, LT Room, Scada Room आदि) का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिसमें 05 सीडब्लूआर के सब स्टेशन बिल्डिंग पर फुटिंग का कार्य(0–25 प्रतिशत), 01 सीडब्लूआर के सब स्टेशन बिल्डिंग पर प्लींथ बीम का कार्य(26–50 प्रतिशत) कार्य प्रगति पर है। 02 सीडब्लूआर के सब स्टेशन बिल्डिंग पर लिन्टेल बीम कार्य(51–75 प्रतिशत) एवं 09 सीडब्लूआर के सब स्टेशन बिल्डिंग पर रूफ स्लैब कार्य (76–99 प्रतिशत) कार्य प्रगति पर है। है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, एन0सी0सी0 को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता पर कार्य समयान्तर्गत पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये। यह सुनिश्चित किया जाये कि Drawing/Design के अनुसार ही निर्माण कार्य करायें।
4. **क्लोरीनेटर बिल्डिंग (Clorinator Building) की प्रगति–** अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै0 एन0सी0सी0 द्वारा 17 सीडब्लूआर पर 17 क्लोरीनेटर बिल्डिंग एवं UGR पर 01 क्लोरीनेटर बिल्डिंग का निर्माण कार्य किया जाना है। 02 सीडब्लूआर के क्लोरीनेटर बिल्डिंग पर लिन्टेल बीम कार्य(51–75 प्रतिशत) एवं 09 सीडब्लूआर के क्लोरीनेटर बिल्डिंग पर रूफ स्लैब कार्य(76–99 प्रतिशत) प्रगति पर है। है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, एन0सी0सी0 को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए प्राथमिकता पर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये।
5. **पाइप लेइंग –** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था को कुल 1967.71 किमी पाइप बिछाये जाने के सापेक्ष 1198.90 किमी कार्य पूर्ण हो चुका है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, एन0सी0सी0 को निर्देशित किया गया कि पाइप लेइंग की गहराई मानक के अनुसार ही की जाये इसके साथ ही एम.एस पाइप की ज्वाइंटिंग एवं

Scanned with OKEN Scanner

बेल्डिंग अनुबन्ध के अनुसार आई.एस. कोड में निहित मानकों के अनुसार की जायें तथा टीम व मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए स्वीकृत ड्राइंग एवं डिजाइन तथा गुणवत्ता मानकों का पालन कराते हुए कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

6. **यमुना ब्रिज की प्रगतिः–** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि पाइपलाइन बिछाने जाने के लिए यमुना नदी पर ब्रिज निर्माण का कार्य किया जा रहा है। यमुना पर ब्रिज निर्माण की कुल भौतिक प्रगति 57.27 प्रतिशत है। जिसमे 44 PSC Grider (29.8 Mtr.) के सापेक्ष 29 PSC Grider का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। 118 पाइलों(21 X 5, 2 X 6.1) में से 107 पाइलों का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा इसी प्रकार 23 पाइल कैप मे से 14 पाइल कैप, 21 पाइल शाफ्ट में से 12 पाइल शाफ्ट तथा 21 पियर कैप में से 4 पियर कैप का कार्य एवं 2 एबटमेंट में से 1 एबटमेंट कार्य किया जा चुका है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, एन0सी0सी0 को निर्देशित किया गया कि टीम व मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए स्वीकृत ड्राइंग एवं डिजाइन तथा गुणवत्ता मानकों का पालन कराते हुए कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

7. **ऊंटगन ब्रिज की प्रगतिः–** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि पाइपलाइन बिछाने जाने के लिए ऊंटगन नदी पर ब्रिज निर्माण का कार्य किया जा रहा है। ऊंटगन ब्रिज निर्माण की कुल भौतिक प्रगति 65.53 प्रतिशत है। जिसमें 22 PSC Grider (29.5 Mtr.)के सापेक्ष 15 PSC Grider का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। 49 पाइलों(10 X 4, 2 X 4, 1) में से 49 पाइलों का कार्य शत–प्रतिशत पूर्ण किया जा चुका है तथा इसी प्रकार 12 पाइल कैप में से 9 पाइल कैप, 10 पाइल शाफ्ट में से 05 पाइल शाफ्ट तथा एवं 2 एबटमेंट में से 2 एबटमेंट कार्य शत–प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है एवं 10 पियर कैप का कार्य प्रारम्भ नही किया गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, एन0सी0सी0 को निर्देशित किया गया कि टीम व मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए, स्वीकृत ड्राइंग एवं डिजाइन तथा गुणवत्ता मानकों का पालन कराते हुए कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

8. **हाइड्रोटेस्टिंग–** समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 1198.90 किमी पाइप लेइंग की गयी है जिसके सापेक्ष 194.70 किमी की हाइड्रोटेस्टिंग हुई है जो कि बहुत कम है इस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी तथा प्रोजेक्ट मैनेजर, एनसीसी को निर्देशित किया गया कि निर्धारित मानकों के अनुसार सभी लेइंग किये गये पाइपों की हाइड्रोटेस्टिंग की जाये।

9. **रोड रेस्टोरेशन–** अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै0 एन0सी0सी0 द्वारा रोड डिस्मेन्टलिंग 22.24 किमी की गयी है जिसके सापेक्ष में 5.32 किमी कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष 16.92 किमी0 रोड रेस्टोरेशन का कार्य प्रगति पर है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, एन0सी0सी0 को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए रोड रेस्टोरेशन का कार्य 01 सप्ताह का विशेष अभियान चलाकर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

10. **एन0ओ0सी0–** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 एन.सी.सी के एन0ओ0सी0 का विवरण निम्नवत् है–

- **रेलवे एन0ओ0सी–** रेलवे के अन्तर्गत फर्म को 66 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एन0ओ0सी पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 47 एन0ओ0सी0 प्राप्त हो चुकी है, 13 नग एन.ओ.सी मै0 एन.सी.सी द्वारा रि–सर्वे करके अप्लाई की जानी है। 04 नग एन.ओ.सी ए.डी.ई.एन टूण्डला पर लंबित है। 02 नग एन.ओ.सी DFCCIL पर लंबित है।
- **एन0एच0आई0–** एन0एच0आई0 के अन्तर्गत फर्म को 07 फाइल के अन्तर्गत 37 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एन0ओ0सी पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 04 नग एन.ओ.सी का एस्टीमेट रिसीव हुआ है एवं 04 नग एन.ओ.सी का एस्टीमेट का भुगतान किया जा चुका है। 02 फाइल की एन0ओ0सी0 की परमीशन प्राप्त हो चुकी है।
- **एन0एच0(पी0डब्लू0डी)–** एन0एच0(पी0डब्लू0डी) के अन्तर्गत फर्म को 03 नग एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एन0ओ0सी अप्लाई कर दी गयी है सभी परमिशन प्राप्त हो चुकी है।
- **Yeida-** येडा के अन्तर्गत 01 नग एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसकी परमिशन प्राप्त हो चुकी है।
- **यूपीडा(UPEIDA)–** यूपीडा के अन्तर्गत 01 नग एन0ओ0सी फर्म द्वारा अप्लाई कर दी गयी है जिसका ज्वाइंट इन्सपेक्शन हो चुका है एवं एस्टीमेंट 22.04.2025 यूपीडा लखनऊ से अप्राप्त है।
- **सिंचाई विभाग–** सिंचाई विभाग के अन्तर्गत कुल 209 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है 207 नग एन.ओ.सी. हेतु ड्राइंग अधिशासी अभियंता लोअर खण्ड आगरा नहर, आगरा के यहाँ जमा करवा दी गयी है 90 एन.ओ.सी का एस्टीमेट प्राप्त हो चुका है। शेष एन.ओ0सी0 का सिंचाई विभाग से संबंधित नहरों का डाटा लेकर जी.ए.डी की प्रकिया प्रकियाधीन है।
- **वन विभाग–** फॉरेस्ट विभाग के अन्तर्गत फर्म को 10 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसमें 06 एन0ओ0सी0 परिवेश पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 02 नग एन.ओ.सी प्राप्त हो चुकी है शेष 04 नग एन.ओ.सी के अन्तर्गत 02 नग एन.ओ.सी हेतु एन.एच.ए.आई–44 और एन.एच.ए.आई–21 की परमिशन उपरांत एन.ओ.सी प्राप्त होगी जिसके अन्तर्गत दोनों भौथे पोर्टल पर अप्लाई की जा चुकी है। शेष 02 नग एन.ओ.सी सिंचाई विभाग के समानान्तर बिछाया जाना है जिसकी जी.ए.डी ड्राइंग मै0 एन.सी.सी एम्पको(जे.वी) द्वारा बनाया जाना है जिस पर कार्य प्रक्रिया में है। इसके अतिरिक्त 02 नग एन.ओ.सी SH-39 एवं SH-62 जोकि विभाग द्वारा पोर्टल पर वापस कर दी गयी है। जिसकी कमियों को दूर करने हेतु पुनः सर्वे किया जा रहा

Scanned with OKEN Scanner

है। NH-509 के समानान्तर जो पेयजल पाइप लाइन बिछायी जानी है वह फॉरेस्ट के अन्तर्गत आ रही है जिसको पोर्टल पर अप्लाई कर दिया गया है एवं 01 नग एन.ओ.सी ऊंटगन नदी हेतु फर्म द्वारा पोर्टल पर दिनांक 23.05.2025 को अप्लाई कर दी गयी है। इसके अतिरिक्त वाइल्ड लाइफ सेंचरी की एनओसी हेतु ज्वाइंट विजिट कर परिवेश पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड कराया जा रहा है।

11. **नॉन–कंप्लायंस रिपोर्ट–** टीपीआई के डीपीएम द्वारा बताया गया कि मै0 एन0सी0सी0 पर कुल 91 एन0सी0 लगायी गयी थी जिसमें से 84 एन0सी0 का अनुपालन हो गया है। वर्तमान में 07 एन0सी0 (क्रिटिकल–05, मेजर–02) अभी लंबित है जिनको अभी तक कार्यदायी संस्था द्वारा पूर्ण नहीं की गया है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 एन0सी0सी0 के प्रोजेक्ट मैनेजर, को निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द लंबित एन0सी0 का नियमानुसार निस्तारित कराये तथा अवगत करायें। टी.पी.आई को निर्देशित किया गया कि गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें।

मै0 मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, पैकेज–02

1. **अवर जलाशय (OHT) की प्रगति–** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजीनियरिंग द्वारा अभी तक 407 के सापेक्ष मात्र 380 ओ0एच0टी0 पर कार्य प्रगति पर है। जिसमें 07 नग पर खुदाई कार्य पूर्ण, 120 नग पर पी0सी0सी0 कार्य पूर्ण, 17 नग पर राफ्ट कार्य, 135 नग पर जी.एल लेवल तक कार्य, 43 नग पर स्टेजिंग कार्य, 48 नग पर स्लैब कार्य तथा 10 नग पर आर0सी0सी0 डोम कार्य प्रगति पर है। टी.पी.आई द्वारा बताया गया कि 915 के सापेक्ष मात्र 180 मैनपावर उपलब्ध है जो कि बहुत कम है जिससे निर्माण कार्य धीमी गति से हो रहा है। इनकी मैनपावर कम है, जिससे निर्माण कार्य अत्यन्त धीमी गति से हो रहा है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 मेघा इंजीनियरिंग से शेष ओएचटी पर कार्य न होने का कारण पूछा गया। जिस पर प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा बताया गया कि 18 ओएचटी पर निर्माण कार्य विभिन्न कारणों से बाधित है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि जॉच कराकर कार्य शीघ्र प्रारम्भ करायें तथा मै0 मेघा इंजी0 के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री अमित कुमार रॉय, प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर बढ़ायें एवं कार्य को सतमय गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें तथा शेष बची हुई 27 ओएचटी पर शीघ्र कार्य प्रारम्भ करायें।
2. **पाइप लेइंग–** अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि पाइप लेइंग के अन्तर्गत कुल 7567.76 किमी पाइप बिछाये जाने का लक्ष्य है जिसमें से कुल 6033.00 किमी0 पाइप की आपूर्ति की जा चुकी है तथा कुल 4148.29 किमी पाइप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, मै0 मेघा इंजीनियरिंग को निर्देशित किया गया कि वह शेष डिस्ट्रीब्यूशन पाइप की आपूर्ति को लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ण कराना सुनिश्चित करें तथा टीम व मैन पावर की संख्या बढाते हुए गुणवत्ता मानकों का पालन कराते हुए कार्य कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि पाइप बिछाये जाने के दौरान लेइंग की गहराई का विशेष ध्यान रखते हुए मानक के अनुसार कार्य कराना सुनिश्चित करें।
3. **हाइड्रोटेस्टिंग–** समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 4148.29 किमी पाइप लेइंग की गयी है जिसके सापेक्ष 826.96 किमी की हाइड्रोटेस्टिंग हुई है जो कि बहुत कम है इस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी तथा प्रोजेक्ट मैनेजर, मेघा इंजी0 को निर्देशित किया गया कि निर्धारित मानकों के अनुसार सभी लेइंग किए गये पाइपों की हाइड्रोटेस्टिंग की जाये।
4. **एफ0एच0टी0सी0 की स्थिति–** अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जनपद आगरा मे कार्यदायी संस्था मै0 मेघा इंजीनियरिंग को 810 राजस्व ग्रामो में कुल 296833 एफ0एच0टी0सी0 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके सापेक्ष संस्था द्वारा 74659 एफ0एच0टी0सी0 कनेक्शन दिये गये। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 मेघा इंजीनियरिंग को निर्देश दिया कि मशीनरी व लेबर की संख्या बढ़ाते हुए नल संयोजन की गति को तीव्र कराए। हाउस टैप कनेक्शन को घर के अन्दर तक पहुंचाया जाए एवं स्कूलों, पंचायतों भवनों आंगनबाडी केन्द्रो व अन्य सरकारी भवनों पर भी नियमानुसार नल संयोजन करायें जाए तथा यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी ग्राम पंचायत एवं राजस्व ग्राम का कोई मजरा छूट ना पायें एवं प्रत्येक दशा में एफ0एच0टी0सी0 कनेक्शन घर के अन्दर ही हो एवं सही तरीके से क्लैंपिंग व ज्वाइंटिंग की जायें।
5. **रोड़ रेस्टोरेशन–** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै0 मेघा इंजी0 के द्वारा रोड़ डिस्मेंटलिंग 1312.50 किमी की गयी है जिसके सापेक्ष में 1197.81 किमी कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष 114.68 किमी0 रोड़ रेस्टोरेशन का कार्य लंबित है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, मै0 मेघा इंजीनियरिंग को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए रोड़ रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें एवं पाइप लाइन बिछाने के दौरान सी0सी0 रोड़ की कटिंग जे0सी0बी0 से न कराकर रोड कटर से करायें व कॉम्पेक्टर के माध्यम से पूर्ण कॉम्पैक्शन करायें।

Scanned with OKEN Scanner

अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि मै0 मेघा इंजी0 के द्वारा जो रोड रेस्टोरेशन किये गया है वहाँ पर कार्य संन्तोषजनक है या गुणवत्ता खराब है की जाँच कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करें तथा रिपोर्ट भेजे।

6. **नॉन–कंप्लायंस रिपोर्ट–** टी0पी0आई के डीपीएम द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजीनियरिंग को कुल 255 एन0सी0 लगायी गयी थी जिसमें से 132 एन0सी0 का अनुपालन हो गया है। वर्तमान में 123 (क्रिटिकल–83 एवं मेजर–36 माइनर–04) एन0सी0 अभी लंबित है जिनको अभी तक कार्यदायी संस्था द्वारा क्लोज नहीं की गयी है। टी.पी.आई द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजी द्वारा एन.सी क्लोज नहीं की जा रही है जिससे गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 मेघा इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द लंबित एन0सी0 नियमानुसार क्लोज करायें। यदि गुणवत्ता मे कमी पायी जाती है तो कठोर कार्यवाही की जायेगी।

7. **एन0ओ0सी0–** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजी0 द्वारा एन0ओ0सी0 के कार्यों में रूचि नहीं ली जा रही है। एन0ओ0सी0 का विवरण निम्नवत् है–

- **रेलवे एन0ओ0सी–** रेलवे के अन्तर्गत फर्म को 59 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एन0ओ0सी पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 36 एन0ओ0सी0 प्राप्त हो चुकी है, 03 नग एन.ओ.सी DFCCIL द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया जाना है। 06 नग एन.ओ.सी की फर्म द्वारा BG जमा किया जाना है जो कि पिछले 15 दिनों से लंबित है। 14 नग एन.ओ. सी पुनः सर्वे करके फर्म द्वारा अप्लाई किया जाना है।
- **एन0एच0ए0आई0(NHAI)–** एन0एच0ए0आई0 के अन्तर्गत फर्म को 06 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एन0ओ0सी पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 03 एन0ओ0सी0 के एस्टीमेंट प्राप्त हो चुके है एवं सभी का भुगतान किया जा चुका है। शेष 03 नग एन.ओ.सी में दिनांक 30.09.2025 से एन0एच0ए0आई0 द्वारा कुछ Observation दिये गये थे जिसका फर्म द्वारा Compliance लंबित है। एन0एच0ए0आई0 द्वारा 01 नग एन0ओ0सी का बैंक गारंटी जमा किया गया है, जिसका की बैंक द्वारा बैंक गारंटी का वेरीफिकेशन प्रकियाधीन है।
- **एन0एच0(पी0डब्लू0डी)–** एन0एच0(पी0डब्लू0डी) की फर्म द्वारा 01 नग एन0ओ0सी0 जिसके अन्तर्गत 42 क्रासिंग है जो कि पत्र द्वारा दिनांक 13.01.2026 अप्लाई कर दी गयी है, जो कि अधीक्षण अभियंता, कानपुर पर लंबित है।
- **Yeida-** येडा के अन्तर्गत 01 नग एन0ओ0सी0 फर्म द्वारा अप्लाई की गयी है जिसकी परमिशन प्राप्त हो चुकी है एवं कार्य प्रगति पर है।
- **यूपीडा(UPEIDA)–** यूपीडा के अन्तर्गत 01 नग एन0ओ0सी फर्म द्वारा अप्लाई कर दी गयी है जिसका ज्वाइंट इन्सपेक्शन हो चुका है एवं एस्टीमेंट 22.04.2025 यूपीडा लखनऊ से अप्राप्त है।
- **सिंचाई विभाग–** सिंचाई विभाग के अन्तर्गत कुल 183 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है 67 नग एन.ओ.सी. हेतु ड्राइंग अधिशासी अभियंता लोअर खण्ड आगरा नहर, आगरा के यहाँ जमा करवा दी गयी हैं शेष प्रकियाधीन हैं। 67 एन.ओ.सी का एस्टीमेट प्राप्त हो चुका है। शेष एन.ओ0सी0 का सिंचाई विभाग से संबधित नहरो का डाटा लेकर जी.ए.डी की प्रकिया प्रकियाधीन है।
- 67 एन.ओ.सी का एस्टीमेट प्राप्त हो चुका है। शेष एन.ओ0सी0 का सिंचाई विभाग से संबधित नहरों का डाटा लेकर जी.ए. डी की प्रकिया प्रकियाधीन है।
- **वन विभाग–** फॉरेस्ट विभाग के अन्तर्गत फर्म द्वारा 01 नग एन.ओ.सी परिवेश पोर्टल पर अप्लाई की गयी है जिसके अन्तर्गत 10 नग क्रासिंग/समानान्तर बिछाये जाने हेतु जरूरत है। वाइल्ड लाइफ/चम्बल सेंचुरी की एन.ओ.सी के लिये परिवेश पोर्टल पर 05.05.2026 को संशोधित कर प्रपोजल पुनः अपलोड कर दिया गया है।

  मै0 मेघा इंजी0 के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि शेष बची हुई सम्बन्धित विभागो की NOC तत्काल अप्लाई करें।

मै0 दारा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा0 लि0। (O&M)

1. **संचालन एवं रखरखाव–** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 दारा इंजीनियरिंग को जनपद आगरा की 89 नग पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव हेतु दिनांक 01.05.2025 को शासन द्वारा अनुबन्धित किया गया है। जिसके अन्तर्गत फर्म को पेयजल योजनाओं का प्राक्कलन तैयार कर अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) कार्यालय में जमा करा दिया गया है। जिसमें 73 नग पेयजल योजनाऐं आंशिक क्रियाशील एवं 16 नग पेयजल योजनाऐं बंद थी। यद्यपि इनके द्वारा 16 नग अक्रियाशील पेयजल योजनाओं मे से 5 नग योजनाऐं आंशिक कियाशील की गयी है परन्तु इनका गृह जल संयोजन कवरेज प्रति माह कम होता जा रहा है। वर्तमान में रखरखाव के अभाव में कुल 20 नग नलकूप अस्थाई रूप से खराबी के कारण बन्द पडे है जिसके कारण पेयजल योजनाओं की कियाशीलता पर नकारात्मक प्रभाव पड रहा है जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 दारा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा0 लि0 को निर्देशित दिये कि वह अस्थाई रूप से खराबी के कारण बन्द 20 नग नलकूपों को नियमानुसार शीघ्र चालू कर जलापूर्ति सुचारू करें।

Scanned with OKEN Scanner

2. **आच्छदित मजरों में एफ.एच.टी.सी.की स्थिति–** मै0 दारा इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री अमित पाण्डे द्वारा बताया गया कि जनपद आगरा की O&M के अन्तर्गत 89 नग पेयजल योजनाओं में से कुल 24361 एफ.एच.टी.सी है। अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम ग्रामीण द्वारा बताया गया कि वर्तमान में माह अप्रैल–2026 तक 101728 नग नल कनेक्शनों के सापेक्ष में मात्र 21532 नग नल कनेक्शनों के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है। मई–2025 में इनके द्वारा 60 पेयजल योजनायें क्रियाशील थी जिसमें कुल क्रियाशील एफ.एच.टी.सी 25293 थे। अप्रैल 2026 तक इनके द्वारा 62 पेयजल योजनायें क्रियाशील की गयी जिसमें कुल क्रियाशील एफ.एच.टी.सी 21532 है। इनके द्वारा क्रियाशील पेयजल योजनाओं की संख्या में वृद्धि(60 से बढ़कर 62 हुई) है परन्तु पेयजल योजनाओं के आपूर्ति क्षेत्र एवं एफ.एच.टी.सी 25293 से घटकर 21532, लगभग 15 प्रतिशत) की कमी आई है। इसके अलावा फर्म द्वारा पेयजल योजनाओं पर क्लोरीनेटर अधिष्ठापित नहीं कराये जा रहे है अथवा अधिष्ठापित क्लोरीनेटर से नियमित क्लोरीन डोजिंग नहीं की जा रही है। अधिकांश पेयजल योजनाओं पर मैनुअल तरीके से ब्लीचिंग पॉउडर मिलाकर पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। इनके द्वारा पाइपलाइन लीकेज, वाल्व खराबी, ट्यूबवेल/मोटर खराबी, नलकूप के कॉलम पाइप खराब होना, ओएचटी टैंक की सफाई एवं लीकेज मरम्मत न होना, आई.जी.आर.एस निस्तारण आदि कार्यो को इनके द्वारा समय से नहीं कराया जा रहा है, जिस पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 दारा इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि जलापूर्ति में आने वाली सभी कमियों को नियमानुसार दूर कराते हुए सभी मजरों में जल्द से जल्द जलापूर्ति की जायें।

3. **जलापूर्ति सम्बन्धी शिकायत/निस्तारण की स्थिति–** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि फर्म के हेल्प लाइन नं 0562–4336113 पर माह अप्रैल 2026 तक प्राप्त 356 जलापूर्ति सम्बन्धी शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से फर्म द्वारा 307 जलापूर्ति सम्बन्धी शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा मै0 दारा इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि ग्रीष्म ऋतु चल रही है। जहॉं–जहॉं जलापूर्ति की समस्या बनी हुई है वहॉं तत्काल समस्याओं का निस्तारण कर जलापूर्ति करना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की गई। इस पर अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि जे0 जे0एम0–2 के दिशा–निर्देशों के अनुसार योजनान्तर्गत समस्त कार्यों को पूर्ण करने की प्रस्तावित तिथि 31 दिसम्बर, 2027 निर्धारित है। अधिशासी अभियन्ता द्वारा यह भी बताया गया कि मै0 मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0 द्वारा एक "माइक्रो प्लान" प्रस्तुत किया गया है, जिसके अनुसार योजना को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। एन. सी.सी का कार्य रोड़ रेस्टोरेशन व यमुना ब्रिज पर कार्य धीमा है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि प्रस्तुत माइक्रो प्लान के सापेक्ष प्रगति की नियमित समीक्षा की जाये तथा प्रगति योजना के अनुरूप न पाये जाने पर अनुबंध की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जायें। मै0 दारा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा0 लि0 को निर्देश दिये कि वह अपनी कार्यशैली में सुधार करते हुये मरम्मत एवं रिपेयरिंग कार्य कर सभी योजनाओं को शीघ्र क्रियाशील करें।

उक्त के अतिरिक्त अध्यक्ष महोदय द्वारा निम्नानुसार निर्देश दिये गये–

1. **मै0 मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0 के अन्तर्गत कार्य कर रहे श्रमिकों का नाम, मोबाइल नं0 एवं लोकेशन कहाँ पर कार्य कर रहें है, की रैण्डम सूची तैयार करायी जायें।**
2. **जहाँ–जहाँ पर रोड़ रेस्टोरेशन किया जा चुका है वहाँ पर कार्यों की गुणवत्ता रैण्डम आधार पर चेक करें। अगर किये गये कार्य की गुणवत्ता सही नहीं पायी जाती है तो सम्बन्धित के खिलाफ विधिक कार्यवाही की जाये।**
3. **सिंचाई विभाग या अन्य विभागों से सम्बन्धित एन.ओ.सी को "निवेश मित्र" पोर्टल पर अपलोड़ करायी जायें ताकि उसका निस्तारण समय से कराया जा सकें।**
4. **वन विभाग के अन्तर्गत नॉन–प्रोटेक्टेड फारेस्ट में बिछायी जा रही पाइप लाइन को वन विभाग के अधिकारी/कर्मचारी द्वारा रोके जाने पर तत्काल संज्ञान में लाया जाये।**
5. **89 रेट्रोफिटिंग स्कीमों पर मै0 दारा इंजी0 द्वारा के आने से पूर्व एवं आने के पश्चात् ओ एंड एम की तुलानात्मक आख्या प्रस्तुत की जायें।**
6. **मै0 आर.बी. एसोसियेट्स(ओ एंड एम, टी.पी.आई) द्वारा मै0 दारा इंजीनियरिंग के किसी 03 कियाशील योजनाओं पर सम्बन्धित जूनियर इंजी0 के साथ मौके पर जाकर क्रियाशील गृहसंयोजन (FHTC) डोर टू डोर गिनती करायें।**

अपर जिलाधिकारी
नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति
आगरा।

Scanned with OKEN Scanner

कार्यालय जिलाधिकारी आगरा।
(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति)

पत्रांक /जे0जे0एम0/का0वृ0/ दिनांक

प्रतिलिपि:– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. अधिशासी निदेशक महोदय राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ को सादर अवलोकनार्थ।
2. जिलाधिकारी महोदय, आगरा को सादर सूचनार्थ।
3. मुख्य विकास अधिकारी महोदया, आगरा।
4. अधिशासी अभियंता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), आगरा को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि सतत पर्यवेक्षण करते हुए गुणवत्ता मानकों को लागू कराते हुए अनुपालन कराना सुनिश्चित करें व अनुपालन आख्या प्रेषित करें।
5. अधिशासी अभियंता, उ0प्र0 जल निगम (वि0/यां0), आगरा को इस निर्देश के साथ जहाँ–जहाँ सिविल कार्य पूर्ण हो चुका है वहां पर E&M के उपकरण/मशीनरी की आपूर्ति कराकर शीघ्र ही इन्स्टॉलेशन का कार्य प्रारम्भ करायें।
6. समस्त सहायक अभियंता उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), आगरा इस निर्देश के साथ प्रेषित कि वह स्वंय अपने–अपने क्षेत्रों में जाकर अपने पर्यवेक्षण में गुणवत्ता एवं मानकों का कड़ाई से अनुपालन कराना सुनिश्चित करें।
7. टीम लीडर/डी0पी0एम0, फिशनर कन्सल्टिंग इंजीनियर्स (इण्डिया) प्रा0 लि0 आगरा को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि अपने पर्यवेक्षण करते हुए गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखें।
8. जिला समन्वयक, जिला परियोजना अनुश्रवण इकाई (डी0पी0एम0यू0), आगरा को अनुपालनार्थ।
9. जे0जी0एम0, मैसर्स एन0सी0सी0 एपको (जे0वी0) (पैकेज–1), आगरा को अनुपालनार्थ।
10. प्रोजेक्ट मैनेजर, मैसर्स मेघा इंजी0 एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0 (पैकेज–2), आगरा को अनुपालनार्थ।
11. प्रोजेक्ट मैनेजर/डी0जी0एम0, मै0 दारा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा0 लि0, आगरा को इस निर्देश के साथ नियमानुसार योजनाओं का संचालन कराना सुनिश्चित करें।

10/07/26

अपर जिलाधिकारी
नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति
आगरा।

Scanned with OKEN Scanner